कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

16/8/20

दिनांक 15/08/2020

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा परसायी जयंती पर **हिन्दी व्यंग्य परम्परा और हरीशंकर परसाई** विषय पर दिनांक 21/08/2020 को 12 बजे ई–संगोष्ठी आयोजित है। अतिथि वक्ता के रूप में व्यग्यकार श्री कैलाश मंडलेकर, श्री रमेश शर्मा एवं डॉ. विनोद साव अपने विचार व्यक्त करेगें।

अतः समस्त छात्र–छात्राएं एवं शोधार्थीगण इस संगोष्ठी में जुड़कर लाभ उठायें। लिंक एक दिन पूर्व भेजा जायेगा।

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

प्राचार्य

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College * Durg (C.G.)

हिंदी विभाग, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिंदी-व्यंग्य-परंपरा और हरिशंकर परसाई

(21 अगस्त, 2020 को सम्पन्न दो दिवसीय कार्यशाला का प्रतिवेदन)

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग तथा आई.क्यू.ए.सी. सेल के संयुक्त तत्वावधान में परसाई जी की जयंती पर **'हिन्दी व्यंग्य परंपरा और हरिशंकर परसाई'** विषय पर एक **दिवसीय राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी** का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने कहा कि परसाई जी ने न केवल अपने विपुल लेखन से हिन्दी साहित्य को समृध्द किया बल्कि एक बहुत बड़ा पाठक वर्ग भी तैयार किया। उन्होंने परसाई जी जब सागर विश्वविद्यालय में मुक्तिबोध शोधपीठ के अध्यक्ष थे उस समय का संस्मरण सुनाया, जिसमें परसाई जी की उच्चशिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त की है, जिसमें परसाई जी ने कहा था कि "कल कारखानों में बनने वाले उत्पाद की खपत कहां होगी यह तय होता है, लेकिन हमारे विश्वविद्यालयों से निकलने वाले छात्र कहा जायेगें यह तय नही है।" अतिथिवक्ता व्यंग्यकार एवं आलोचक डॉ. रमेश तिवारी (दिल्ली) ने परसाई जी के विभिन्न कहानियों, निबंधों आदि का उदाहरण देकर उनकी रचनाओं में छिपे व्यंग्य को उद्घाटित किया। उन्होंने कहा– परसाई जी ने व्यंग्य को विगलित हास्य तथा भावुकता से मुक्त कराया। उसे व्यापक सामाजिक सरोकारों से जोड़ा। और समाज में जहां भी विसंगतियां देखी उस पर करारा प्रहार किया। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि परसाई जी के समय जो परिस्थितियां थी आज की परिस्थितियां उससे ज्यादा विषम है, इसीलिए परसाई जी का व्यंग्य आज ज्यादा प्रासंगिक है।

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिध्द व्यंग्यकार श्री विनोद साव ने हिन्दी व्यंग्य लेखन की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि कबीर हिन्दी के पहले व्यंग्यकार थे, कबीर की परंपरा भारतेन्दु और निराला से चलकर परसाई तक आता है और परसाई तक आते-आते व्यंग्य की धार ज्यादा महीन व तेज हो जाती है। उन्होंने परसाई के व्यंग्य रचनाओं में शोषक वर्ग पर प्रहार तथा शोषित, पीड़ित वर्ग के प्रति गहरी करूणा है। संगोष्ठी के अंतिम अतिथि वक्ता व्यंग्यकार तथा समीक्षक श्री कैलाश मंडलेकर (खंडवा) ने कहा कि परसाई जी ने आजादी के बाद के भारत में राजनीति तथा प्रशासन में भ्रष्ट्राचार, भाई भतीजावाद, धार्मिक सामाजिक रूढ़ियों तथा साम्प्रदायिक शक्तियों पर जमकर प्रहार किया। उनके लिखे हुए को समझने के लिए आलोचकों को एक नये सौंद्रर्यशास्त्र की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि परसाई जी की रचनाओं को बौध्दिक पाठक से लेकर साधारण पाठक भी पढ़ते थे। यहां तक कि जिन्हें वे लक्ष्य कर लिखते थे, वे भी उन्हें चाव से पढ़ते थे। व्याख्यान के पश्चात् संगोष्ठी में सम्मिलित प्रतिभागियों के प्रश्नों/जिज्ञासाओं का समाधान अतिथि वक्ताओं ने किया। संगोष्ठी में देशभर से लगभग 900 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

संगोष्ठी के आरंभ में अतिथियों का स्वागत तथा विषय प्रवर्तन विभाग के अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. अभिनेष सुरांना ने किया। आमंत्रित अतिथि वक्ताओं डॉ. रमेश तिवारी, श्री कैलाश मंडलेकर तथा श्री विनोद साव का स्वागत क्रमशः डॉ. बलजीत कौर, डॉ. कृष्णा चटर्जी एवं प्रो. थानसिंह वर्मा ने किया। कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक डॉ. शंकर निषाद, डॉ. जय प्रकाश साव, डॉ.रजनीश उमरे के अलावा तकनीकी सहयोग के लिए प्रो. दिलीप साहू, डॉ. अभिषेक मिश्रा, प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान एवं श्री ढालसिंह साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. थानसिंह वर्मा ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. शंकर निषाद ने किया।

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 15 /02/2020

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 19/02/2020 को प्रातः 10.00 बजे से **युवा सृजन की दिशाएं** (कविता कार्यशाला) का आयोजन किया जा रहा है। जो विद्यार्थी कविता की रचना करते हैं और कविता कार्यशाला में भाग लेना चाहते हैं, वे 3 से 5 स्वरचित कविताएं दिनांक 18/02/2020 तक डॉ. थानसिंह वर्मा, डॉ. जयप्रकाश साव एवं डॉ. कृष्णा चटर्जी के पास जमा करें।

15.2.2020
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.पी.जी. महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

हिंदी विभाग, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

युवा-सृजन की दिशाएं : कविता कार्यशाला : व्याख्यान एवं काव्य-चर्चा
डॉ. सियाराम शर्मा, डॉ.आलोक वर्मा, संजय शाम
(दिनांक 19.2.2020 को सम्पन्न कार्यक्रम का प्रतिवेदन)

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिंदी विभाग के तत्वावधान में कविता–कार्यशाला 'युवा सृजन की दिशाएँ' आयोजित की गई। कार्यशाला में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के अलावा शासकीय वा.वा. पाटणकर कन्या महाविद्यालय, दुर्ग, कल्याण महाविद्यालय भिलाई नगर, महिला महाविद्यालय, भिलाई नगर, शासकीय महाविद्यालय, उतई, श्री शंकराचार्य महाविद्यालय, भिलाई, सेठ रतनचंद सुराना महाविद्यालय, दुर्ग सेंट थॉमस महाविद्यालय भिलाई के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.एन.सिंह तथा शास.कन्या महाविद्यालय, दुर्ग के प्राचार्य डॉ. सुशीलचन्द्र तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने स्वागत भाषण दिया तथा कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में हिंदी के प्रख्यात समालोचक डॉ. सियाराम शर्मा, कवि डॉ. आलोक वर्मा, संजय शाम, नंदकुमार कंसारी, डॉ. विनोद शर्मा तथा समालोचक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने मार्गदर्शन दिया।

प्रथम सत्र में डॉ. सियाराम शर्मा ने 'कविता की जरूरत' विषय पर बीज वक्तव्य दिया। उन्होंने हिन्दी कविता की परम्परा, सृजन–प्रक्रिया तथा संचार प्रणाली पर विस्तार से चर्चा की। वर्तमान समय और उसमें सक्रिय सामाजिक शक्तियों के मनुष्यद्रोही रूप का खुलासा करते हुए उन्होंने कविता की प्रासंगिकता को रेखांकित किया तथा कहा कि कविता सदैव सत्य के पक्ष में खड़ा होती है। वह मनुष्यता की मातृभाषा है।

कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालयों के चालीस से अधिक प्रतिभागी कवियों ने अपनी कविताओं का पाठ किया। कविताओं पर डॉ. सियाराम शर्मा, प्रो. थानसिंह वर्मा, डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने समीक्षात्मक टिप्पणी प्रस्तुत की। उन्होंने नवोदित कवियों की रचनाओं की भाषा और विषयवस्तु संबंधी त्रुटियों को रेखांकित कर परिमार्जन और संशोधन के उपाय सुझाए। उन्होंने कविता लिखने की पूर्व तैयारी के तौर पर पूर्वज और समकालीन कवियों की रचनाओं के बारम्बार पाठ करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

द्वितीय सत्र में 'कविता का संग साथ' के अंतर्गत डॉ. आलोक वर्मा, संजय शाम, नन्दकुमार कंसारी तथा डॉ. विनोद शर्मा ने काव्य सृजन की ओर उन्मुख होने तथा कविता के प्रति अभिरूचि के विकास के निजी अनुभव पर केंद्रित संस्मरण सुनाए। उन्होंने अपनी कविताओं का पाठ भी किया। उनके

D/Press Vigyapati

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

अतिरिक्त हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. रजनीश उमरे तथा प्रो. प्रियंका यादव ने भी अपनी कविताएं प्रस्तुत की।

काव्यपाठ प्रस्तुत करने वाले नवोदित छात्र कवियों में मुकेश (शास.नवीन महाविद्यालय, खुर्सीपार) कमल नारायण बंजारे, प्रगति साहू, योगेन्द्र कुमार अंगारे, तुषार पाटिल, हितेश कुमार, लुकेश कुमार (शास.महाविद्यालय, उतई), शुभ्रा गंधर्व, परशुराम रे, अंकिता शर्मा (श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी) विभाग कसेर, प्रज्ञा मिश्रा, मोनिका यादव (शास.कन्या महाविद्यालय, दुर्ग) संयुक्ता पाढ़ी, प्रिया अग्रवाल (महिला महाविद्यालय, भिलाई) दिव्यारानी पाण्डेय, तैयबा शाह, तनवीर तबस्सुम, नंद किशोर, जे. लता, मोनिका साहू (कल्याण महाविद्यालय, भिलाई) अभित टंडन, देवश्री, जितेन्द्र कुमार, लेविश कुमार, नेहा साहू, भूपेश साहू, आशीष देवांगन, रवि कुमार देशमुख, राम सागर वर्मा, मुकेश्वर कुर्रे, वैष्णवी याज्ञिक, प्रतीक्षा तिवारी, प्रगति अग्रवाल, पुष्पेन्द्र साहू, मोहनदास, मोहित माइकल बी (शास.विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग) धनश्याम सोनी, प्रकाश कश्यप (रतनचंद सुराना महाविद्यालय, दुर्ग) गुरजीत सिंह (सेंट थामस महाविद्यालय, भिलाई) सम्मिलित हैं।

अंत मे प्रतिभागियों ने कार्यशाला से संबंधित अपने अनुभव साझा किये तथा आयोजन को प्रेरक और ज्ञानवर्धक निरूपित किया। हिन्दी के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शंकर निषाद ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सदस्य डॉ. रजनीश उमरे ने किया। आयोजन की सफलता में डॉ. बलजीत कौर, डॉ. कृष्णा चटर्जी, डॉ. जय प्रकाश साव के अलावा स्नातकोत्तर छात्र–छात्राओं ने योगदान दिया।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग(छ.ग.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College * Durg (C.G.)

कविता कार्यशाला

आज दिनांक 19/2/2020 को प्रातः 11.00 बजे महाविद्यालय के सभागार में हिंदी विभाग द्वारा 'कविता कार्यशाला' युवा सृजन की दिशाएँ आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य कविता के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न कर उनकी प्रतिभा को मुखरित करना है। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में समालोचक डॉ. सियाराम शर्मा, कवि डॉ. आलोक वर्मा, संजय शाम, नंदकुमार कंसारी, डॉ. विनोद शर्मा एवं समालोचक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने मार्गदर्शन दिया।

डॉ. सियाराम शर्मा ने 'कविता की जरूरत' विषय पर बीज वक्तव्य दिया। उन्होंने हिंदी कविता की परंपरा, सृजन-प्रक्रिया तथा संचार प्रणाली पर विस्तृत विवेचना की। साथ ही अन्यान्य विद्वानों ने भी अपने विचार रखे। इस कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने कविता पाठ कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी उपस्थित हुए।

इस कार्यशाला में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं हिंदी विभाग के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

युवा सृजन की दिशाएं
[illegible]यशाला में कविता पाठ करने वाले विद्यार्थीगण

नाम	कक्षा	महाविद्यालय का नाम	मोबाइल नंबर	हस्ताक्षर
कुमार वर्मा	B.A Part I	शासकीय वि. या. ता. स्नात. स्व. महा. दुर्ग	6267595939	Jaiverma
[illegible]केश	M.A Final हिंदी	शास. महा. खुर्सीपार भिलाई	7869122665	[illegible]
[illegible]त टण्डन	B.A Part III	शासकीय वि. या. ता. स्नात. स्व. महा. दुर्ग	8103892588	Amit
[illegible]ती	B.A Part I	शास. वि. या. ता. स्नात. स्व. महा. दुर्ग	6266668658	[illegible]
[illegible]न नारायण बंजारे	M.A IV हिंदी	शास. दानवीर तुलाराम स्नातकोत्तर महा. उतई	7999831274	[illegible]
[illegible]नेन्द्र कुमार	M.A II nd sem	शास. वि. या. ता. स्नात. स्व. महा. दुर्ग	6261572805	[illegible]
[illegible]गति साहू	B.SC III PCM	शास. दानवीर तुलाराम स्नात. महा. उतई	8770575436	[illegible]

विभागाध्यक्ष (हिन्दी) विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नात. महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

10	कु. शुभ्रा गंधर्व	B.Ed II nd	श्री शंकराचार्य महा. जुनवानी
11	परशुराम रे	B.Ed II nd	"
12	अंकित शर्मा	B.Ed IV th sem	"
13	विभा कसेर	M.A. IV th हिन्दी	डॉ. वा. वासुदेव पाटणकर शास. कन्या महा. दुर्ग
14	भूपेश कुमार साहू	M.A. II nd हिंदी	शास. वि.या.ता. स्नात. स्व. महा.
15	प्रज्ञा मिंज	M.Com. II	डॉ. वा. वासुदेव पाटणकर शास. कन्या महा. दुर्ग
16	योगेन्द्र कुमार अंगारे	B.Sc II P.C.M	शास. दानवीर तुलाराम स्नात. महा. उतई
17	तुषार पाटिल	B.Sc II P.C.M	"
18	हितेश कुमार	M.A. II हिंदी	"
19	~~लोक~~ लुकेश कुमार	B.Sc III माइक्रोबायलॉजी	"

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

20	मोनिका यादव	M.A IV हिंदी	डॉ. वासुदेव पाटणकर कन्या महा. दुर्ग
21	संयुक्ता पाढी	B.Ed IV th	भिलाई महिला महा.
22	दिव्या रानी पाण्डेय	B.A. III	कल्याण स्नातकोत्तर महा.
23	तथ्यबादशाह	B.A. II	कल्याण स्नातकोत्तर महा.
24	तनवीर तबस्सुम	M.Ed. II	"
25	नंद किशोर	B.Ed IV th	"
26	जे. लता.	B. Ed IV th sem	"
27	कु. प्रिया अग्रवाल	M.Com. IV th Sem	~~भिलाई~~ महिला महा. भिलाई
28	पी. शेषाद्री	B.B.A. IV th Sem	सेंट थॉमस महा. भिलाई
29	आशीष देवांगन	M.SC. IV रसायनशास्त्र	शास. वि. या. ता. स्नात. स्व.

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

30	रवि कुमार देशमुख	M.A. Eng IV	शास. वि. या. ता. स्नात.
31	राम सागर वर्मा	B.A. I B	"
32	घनश्याम सोनी	P.G.D.C.A II nd sem	सेठ रतनचंद सुराना महा. दुर्ग
33	प्रकाश कश्यप	P.G.D.C.A II nd sem	"
34	गुरजीत सिंग	B.B.A. VI th sem	सेंट थामस महा.
35	मुकेश्वर कुर्रे	B.SC III B6	शास. वि. या. ता. स्नात.
36	मोनिका साहू	M.A. ~~Final~~ IV th sem Eng	कल्याण स्नातकोत्तर
37	वैष्णवी याज्ञिक	M.A. IV th sem.	शास. वि. या. ता. स्नात.
38	प्रतीक्षा तिवारी	M.SC. IV th भौतिकशास्त्र	
39	प्रगति अग्रवाल	M.SC II nd रसायन	"

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

40 पुष्पेन्द्र कुमार साहू - MSC IV रसायन शास.विज्ञा.ना.दुर्ग (signature)

41 मोहन दास बी.एससी II (M.) शा.वि.या.ता. 6263332487 स्नात.महा.दुर्ग (signature)

42 मोहितमायकल बी. - M.A II हिंदी - शास.वि.या.ता.दुर्ग - (signature)

कविता कार्यशाला

43 चोमेश्वरी एम.ए. हिंदी - शा.वि.या.ता.दुर्ग (signature)

विषय-विशेषज्ञ / कविगण

1. डॉ. सियाराम शर्मा — (signature) 19.02.2020
2. डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी — (signature) 19/2/20
3. डॉ. विनोद शर्मा — (signature)
4. डॉ. आलोक वर्मा — (signature)
5. श्री संजय शाम — (signature) 19/2/2020
6. श्री नन्द कुमार कंसारी — नंद कुमार कंसारी

उपस्थित प्राध्यापक

1. डॉ. अभिनेष सुराना - विभागाध्यक्ष (signature) 19.2.2020
2. डॉ. शंकर निषाद — (signature)
3. डॉ. बलजीत कौर — (signature)
4. प्रो. थानसिंह वर्मा — (signature)
5. डॉ. जय प्रकाश साव — (signature)
6. डॉ. (श्रीमती) कृष्णा चटर्जी — (signature)
7. डॉ. रजनीश उमरे —
8. प्रो. प्रियंका यादव —
9. डॉ. आई. एस. चंद्राकर —
10. डॉ. वेदवती मंडावी —
11. डॉ. सोनाली गुप्ता —
12. डॉ. सुचित्रा गुप्ता —

(Stamp: Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.))

(signature)
Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

40 पुष्पेन्द्र कुमार साहू - MSC IV रसायन शास. विज्ञा. ता. दुर्ग (signature)

41 मोहन दास बी. एस सी II (M.) शा. वि. या. ता. स्नात. महा. दुर्ग 6263-332487 (signature)

42 मोहितमायकल बी. - M.A II हिंदी - शास. वि. या. ता. दुर्ग - (signature)

कविता कार्यशाला

43 चौमेश्वरी एम. ए. हिंदी - शा. वि. या. ता. दुर्ग (signature)

विषय-विशेषज्ञ / कविगण

1. डॉ. सियाराम शर्मा — (signature) 19.02.2020
2. डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी — (signature) 19/2/20
3. डॉ. विनोद शर्मा — (signature)
4. डॉ. आलोक वर्मा — (signature)
5. श्री संजय शाम — (signature) 19/2/2020
6. श्री नन्द कुमार कंसारी — नंदकुमार कंसारी

उपस्थित प्राध्यापक

1. डॉ. अभिनेष सुराना - विभागाध्यक्ष (signature) 19.2.2020
2. डॉ. शंकर निषाद — (signature)
3. डॉ. बलजीत कौर — (signature)
4. प्रो. थानसिंह वर्मा — (signature)
5. डॉ. जयप्रकाश साव — (signature)
6. डॉ. (श्रीमती) कृष्णा चटर्जी — (signature)
7. डॉ. रजनीश उमरे —
8. प्रो. प्रियंका यादव —
9. डॉ. आई. एस. चंद्राकर —
10. डॉ. वेदवती मंडावी —
11. डॉ. सोमाली गुप्ता —
12. डॉ. सुचित्रा गुप्ता —

(Stamp: Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.))

(signature)
Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

उपस्थित छात्र / छात्राएँ

क्र.	नाम	हस्ता.	कक्षा	महाविद्यालय का नाम
1	अनामिका	Anamika	M.A. IV th	शास. वि. या. ता. स्नात. महा. दुर्ग
2	करुणा	Karuna	M.A. IV th	"
3	शीतल सेन	Sheetal	M.A. II nd Sem	—॥—
4	दुलेश्वरी वर्मा	D.Verma	M.A. II nd Sem	—॥—
	मोनिका साहू	Monika Sahu	M.A. IV th	—॥—
	गीतिका साहू	Geetika	M.A. IV th	—॥—
	दुर्गा साहू	Durga	M.A. II semester	—॥—
	वन्दना नायक	[illegible]	M.A. IV Sem	—॥—
	हेमन्त कुमार	Hemant	M.A. II Sem	—॥—
0	मनीष कुमार	[illegible]	MA - II Sem	—॥—
1	भूमित साहू	[illegible]	MA - II Sem	—॥—
2	बुद्धेश्वर बंजारे	[illegible]	MA - II Sem	—॥—
3	पिताम्बर साहू	[illegible]	MA - II Sem	—॥—
	राहुल चौरसिया	Rahul	P.G.D.CA II Sem	9131955586

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

G. Autonomus
Durg
(C.G.)
V.Y.T. College • Govt.

प्रति,

प्राचार्य
शासकीय वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विषय :– विश्व मातृभाषा दिवस पर संगोष्ठी आयोजन की अनुमति बाबत्।

महोदय,

———0———

हिन्दी विभाग के तत्वावधान में दिनांक 21.02.2020 को 11 बजे से विश्व मातृभाषा दिवस पर बहुभाषी संगोष्ठी का आयोजन है। आयोजन में छत्तीसगढ़ी भाषा के साहित्यकार श्री दुर्गा प्रसाद पारकर, श्री त्रेता चन्द्राकर व अभिनेता श्री शिवकुमार दीपक जी विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

कृपया उक्त आयोजन हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेंगे।

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ता. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

डॉ. अभिनेष सुराना
विभागाध्यक्ष हिन्दी
शास.वि.या.ता स्नात.स्वशासी महा.
दुर्ग (छ.ग.)

अनुमति प्रदान की जाती है

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दुर्ग, दिनांक 17/02/2020

सूचना

महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि 21.02.2020 को विश्व मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 24.02.2020 को 11:00 बजे से कक्ष क्रमांक – 23 में एक कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में एक कहानी के अंश का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद, छत्तीसगढ़ी एवं अन्य भाषा में काव्य पाठ तथा छत्तीसगढ़ी मे व्याख्यान का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र/छात्राएँ सभी अपनी सहभागिता कर सकते है। छात्र/छात्राएँ जो कहानी के अंश का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद करना चाहते है वे प्रो. थानसिंह वर्मा एवं डॉ. कृष्णा चटर्जी से दिनांक 20.02.2020 तक अनुवाद की सामग्री प्राप्त कर सकते है, जिसे अनुदित कर 24.02..2020 को डॉ. कृष्णा चटर्जी सहा. प्राध्यापक हिंदी के पास अनिवार्यतः जमा करें।

17.2.2020
विभागाध्यक्ष
(हिंदी विभाग)
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव राम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्व.महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

हिंदी विभाग, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विश्व मातृभाषा दिवस

शिवकुमार दीपक, त्रेता चंद्राकर, दुर्गाप्रसाद पारकर के व्याख्यान

(24 फ़रवरी 2020 को सम्पन्न एक दिवसीय आयोजन का प्रतिवेदन)

मातृभाषा हम सबको प्यारी होती है। जिन्दगी की शुरूवात हम मां की भाषा से ही करते हैं। जब हम दुख में होते हैं तो और अत्याधिक खुशी के क्षणों में सबसे पहले मां को याद करते हैं। किसी भी विषय को व्यक्त करने के लिए मातृभाषा सबसे अधिक सहायक होती है। उक्त विचार शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में हिन्दी विभाग द्वारा विश्व मातृभाषा दिवस समारोह के उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एम.के. सिद्दीकी ने व्यक्त किये।

विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने विश्व मातृ भाषा दिवस मनाये जाने का इतिहास बताया। उन्होंने बताया कि 1952 में पाकिस्तान द्वारा पूर्वी पाकिस्तान पर उर्दू भाषा थोपे जाने के विरोध में ढाका विश्वविद्यालय में युवाओं का आन्दोलन हुआ। जहां पुलिस के गोली चालन से 4 विद्यार्थी शहीद हुये। उनकी याद में मातृभाषा दिवस मनाये जाने का सिलसिला शुरू हुआ और बंगला भाषी पूर्वी पाकिस्तान 1971 में एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आया। उन्हीं को याद करते हुए यूनेस्कों द्वारा 1999 में 21 फरवरी को विश्व मातृभाषा दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया गया। 2008 से पूरी दुनिया में औपचारिक तौर पर विश्व मातृ भाषा दिवस मनाया जा रहा है। इस आयोजन के संबंध में आधार वक्तव्य देते हुये डॉ. जय प्रकाश ने मातृभाषा के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा वैश्वीकरण से विकसित पूंजी, तकनीक तथा बाजार की सम्मिलित शक्तियां हमारी बहुलतावादी संस्कृति को खत्म करना चाहती हैं। वर्तमान फासीवादी उभार से न केवल जैव विविधता खतरे में है, बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति खतरे में है। उन्होंने आगे कहा कि भारत का विभाजन धर्म के आधार पर हुआ पर बंगला देश ने यह सिध्द कर दिया कि धर्म के आधार पर राष्ट्र नही बन सकता। भाषा और संस्कृति से ही राष्ट्र का निर्माण संभव है। इसीलिए मानवता की रक्षा, राष्ट्रों के बीच परस्पर संवाद तथा सौहार्द्र के लिए मातृभाषा को बचाना आवश्यक है।

इसी कड़ी में डॉ. के. पद्मावती ने तेलगू डॉ. ज्योति धारकर (मराठी) डॉ. शंकर निषाद (भोजपुरी) डॉ. तरलोचन कौर (पंजाबी), डॉ. मीना मान (उड़िया) डॉ. कृष्णा चटर्जी (बंगला) डॉ. वेदवती मंडावी (छत्तीसगढ़ी) तथा डॉ. जनेन्द्र दीवान (संस्कृत) ने अपनी भाषा के श्रेष्ठ साहित्य के चुने हुये अंशों का पाठ कर भाषायी विविधता और उसके सौन्दर्य को उदघाटित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ी भाषा के साहित्यकार श्री दुर्गा प्रसाद पारकर तथा श्री त्रेता चन्द्राकर ने छत्तीसगढ़ी भाषा के विशेषता को बताया। वयोवृध्द प्रसिध्द अभिनेता श्री शिवकुमार दीपक ने 'छत्तीसगढ़ महतारी' 20 सूत्रीय नाटक पर पूरी भाव-भंगिमा के साथ एकल अभिनय प्रस्तुत किया। विश्व मातृभाषा दिवस पर काव्य पाठ

D/Press Vigyapati

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

का आयोजन किया गया, जिसमें कु. शीतल सेन, कु. दुर्गेश्वरी वर्मा, भूपेश साहू , जितेन्द्र कुमार, प्रतीक्षा तिवारी, जैनब खातून, मनीष जांगड़े, वेद प्रकाश, अमित टण्डन, लेविश कुमार तथा छात्र कुलेश्वर जायसवाल ने हिस्सा लिया। हिन्दी से छत्तीसगढ़ी में अनुवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें अनामिका असाटी प्रथम, करूणा रामटेके द्वितीय, जितेन्द्र कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के आरंभ में सरस्वती वंदना के पश्चात् अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में अभिनेता श्री शिवकुमार दीपक जी का विभाग की ओर से शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर, डॉ. सुचित्रा गुप्ता, डॉ. पूर्णा बोस, डॉ. मीता चक्रवर्ती, डॉ. सुचित्रा शर्मा, डॉ. सुरेखा जैन, डॉ. सोमाली गुप्ता, डॉ. आई.एस. चन्द्राकर, डॉ. रंजना श्रीवास्तव, डॉ. सुनीता मैथ्यू, डॉ. विजय लक्ष्मी नायडू, डॉ. सरिता मिश्रा, कु. प्रियंका यादव एवं श्री अमित मिश्रा के अलावा बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनीश उमरे व आभार प्रदर्शन प्रोफेसर थानसिंह वर्मा ने किया।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

Principal
Govt. V Y T P G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

10

24.2.202

विश्व मातृभाषा दिवस

आज दिनांक 24.2.2020 को प्रातः 11.00 बजे कक्ष क्र. 23 में विश्व मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य, महाविद्यालय के प्राध्यापक, छात्र/छात्राओं के अतिरिक्त छत्तीसगढ़ी भाषा के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ के रूप में श्री शिव कुमार दीपक (रंगमंच एवं फिल्म के कलाकार) श्री नेता चंद्राकर (छत्तीसगढ़ी भाषा में रामचरित मानस के टीकाकार) एवं श्री दुर्गा प्रसाद पारकर (छत्तीसगढ़ी साहित्य के रचनाकार) उपस्थित हुए।

विश्व मातृभाषा दिवस के अवसर पर प्राध्यापक एवं छात्र/छात्राओं के द्वारा छत्तीसगढ़ी बंगाली मराठी तेलगु, उड़िया, पंजाबी, हिंदी एवं भोजपुरी भाषाओं में काव्य-पाठ एवं गीत प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रेमचंद की कहानी 'कफन' का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं से कराया गया। इस कार्यक्रम में निम्नांकित सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता

1 श्री शिवकुमार 'दीपक'
2 श्री नेता चंद्राकर
3. श्री दुर्गाप्रसाद पारकर

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

विश्व मातृभाषा दिव

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	प्रतिक्षा तिवारी	M.Sc.(Phy.) 4th	tiwari
2	मोनिका साहू	M.A. 4th sem	monika Sahu
3	उमा चन्द्राकर	M.A. 4 sem	Uma
4	करुणा रामटेके	M.A. 4th Sem	Karuna
5	अनामिका असाटी	M.A. IVth sem	Anamika
6	कुमेश्वरी वर्मा	M.A. IInd sem हिन्दी	D Verma
7	वारुणी वर्मा	M.A IInd Sem	[illegible]
8	पीताम्बर	M.A IInd Sem	[illegible]
9	हेमन्त कुमार	M.A. IInd Sem	Hemant
10	जितेन्द्र कुमार	M.A. II Sem	[illegible]
11	दुर्गा साहू	M.A. II Sem.	Durga
12	भुनेश्वर बंजारे	M.A II Sem	[illegible]
13	भूपेश कुमार साहू	एम.ए. हि.	[illegible]
14	चन्द्रकांत	MA II	[illegible]
15	मनीष कुमार	MA II	Manish
16	अमित टण्डन	BA - II	Amit
17	लोकेश कुमार	B.sc II	[illegible]
18	शीतल सेन	M.A II	Sheetal
19	उमा	M.A II	
20	ज्योति देवांगन	M.A IV sem	Jyoti
21	गरिमा कहार	B.A. II	Garima
22	कुबेश्वर पायसवाल	MSc - I	[illegible]
23	भानुप्रताप	M.A. - IV	[illegible]
24	आरती साहू	M.A - IV	Aarti Sahu
25	जैनब खातुन	M.A IInd History	[illegible]
26	सरिता वर्मा	M.A IV ECO	[illegible]
27	राघवेन्द्र भोई	M.A. IV	[illegible]
28.	वेदप्रकाश	M.A. IV	[illegible]

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

दिवस

29	जितेन्द्र कुमार साहू	MSc·II (zoology)	Sahu
30	RAJABABU	M.Sc.II (zoology)	RajaBabu
31	Manoj Kumar	M.Sc II (zoology)	Manoj
32	Jheshnarayan Sinha,	M.Sc II zoology,	Sinha
33	Trilokchand Sahu	M.Sc II zoology	T.Sahu
34	Sangeeta Tirkey	M.Sc II zoology	Tirkey
35	Preeti Kunjam	M.Sc·II Zoology	Preeti
36	Simran Khatri	MSc·II. zoology	Simran
37	Meenakshi	MSc·II zoology	Meenakshi

21/7/2020.

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. वि. या. ता. स्वशासी
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

2020

विश्व मातृभाषा दिवस

उपस्थित प्राध्यापक

1 Mr. Sushama Jain Professor Deptt of Eng.
2 Dr. Suchitra Gupta - " -
3 Dr Suchitra Sharma Dept of Soc Sc.
4. Dr. Mita Chakraborty Deptt. of English.
5. Dr Tarlochan Kaur Dep'tt of English.
6. Dr. Jyoti Dharkar Dept. of History
7. Dr K. Padmavati Dept of Economics
8 Dr. Somali Gupta Deptt of English
9 Dr. Rajeshwari Joshi Dept. of Political Sc.
10 Dr. RASHMI GOUR Dept of Pol-Sci
11 Dr. Purnima Bose Deptt. of Phy.
12 Priyanka Yadav Dept. of Hindi
13 Professor Janendra Kumar Dept. of Sanskrit
14 AMIT MISHRA Dept. of Sanskrit
15 Dr. Meena Maan Deptt. of English
16 Dr. Krishna Chatterji Hindi
17 Dr. Baljeet Kaur Hindi
18 DR. S. Mishra Hindi
19. थानसिंह वर्मा हिन्दी विभाग
20. जय प्रकाश साव हिंदी विभाग
21 Dr. Vedvati Mandavi Political Sci
22 गोविंद प्रसाद गुप्ता वाणिज्य

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

OFFICE OF THE PRINCIPAL
GOVT. V.Y.T. PG. AUTONOMOUS COLLEGE, DURG (C.G.)
(Accredited with 'A+' Grade by NAAC)
Ph.No. 0788-2359688 Fax No. 0788-2359688
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

Durg, Date: 14/ 02/2020

Notice

All the members of the Department are hereby informed to engage classes for the Tribal Girl Students at Vigyan Vikas Kendra from 17.02.2020 as per the time table.

Head, Dept of English

Principal
Govt. V.Y.T.PG Autonomous College .
Durg (C.G.)

Session 2019 -2020

Special Classes for Tribal Girls

- Topic: **Classes engaged by the faculty for the Tribal Girl students.**
- Venue : Vigyan Vikas Kendra
- Duration : 13 days
- Date : 17.02.2020 to 29.02.2020
- No. of students: B.A./B.Sc./B.Com. Part I, II, III
- Objectives:- To give special coaching of English Language from examination point of view to naxalite hit and other tribal girl students.
- Details about Activities : Refer to the timetable attached
- Outcome : The students cleared their doubts and queries on the subject.
- Photograph: - Time-Table

दिनांक 15.02.2020

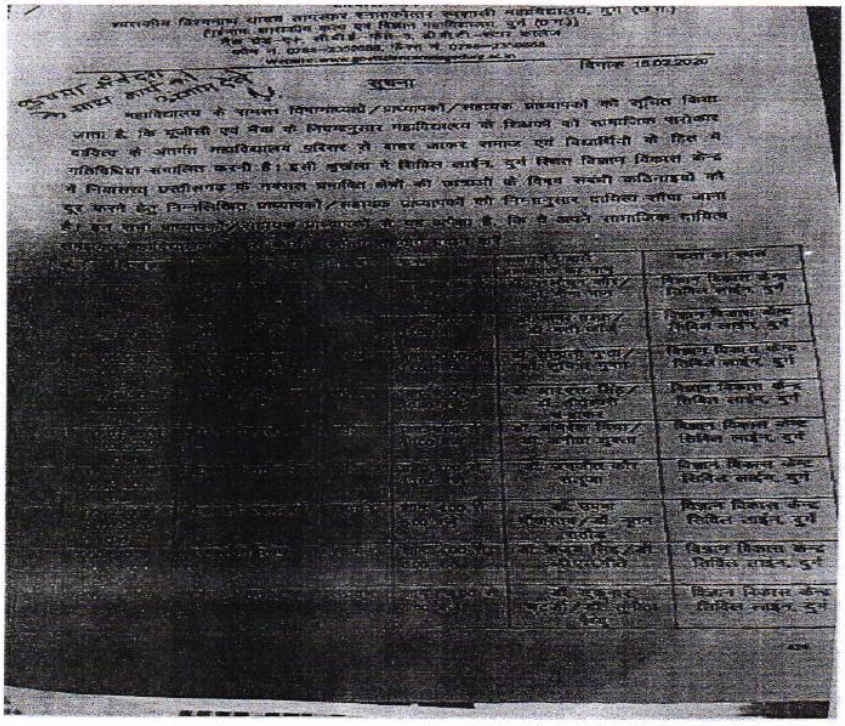

सूचना

Dr. ... Chakraborty
Professor & Head
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous
College, Durg

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous,
College, Durg (C.G.)

GOVT. V.Y.T. PG. AUTONOMOUS COLLEGE, DURG (C.G.)
(Accredited with 'A+' Grade by NAAC)
Ph.No. 0788-2359688 Fax No. 0788-2359688
Website:-www.govtsciencecollegedurg.ac.in

No /2020 Durg, Date: 18/ 05 /2020

To

Commissioner Higher Education
Directorate Higher Education
C-3, Second & Third Floor
Indravati Bhavan
Atal Nagar
Naya Raipur

Subject: Permission to organise an International Webinar .

Through Proper Channel

Sir,

The Department of English, Govt. V.Y.T.P.G, Autonomous College, Durg wants to organise an International webinar on the topic " Emerging Challenges in Teaching Literature and Language in the Virtual world", on 7th& 8th June 2020. Sir, kindly grant us permission to organise the same.

Thanking you,

Sincerely Yours

Forwarded

College * Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous (C.G.) Durg

Dr. Somali Gupta
Department of English
Govt. V.Y.T.P.G.Autonomous College
Durg C.G.

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College * Durg (C.G.)

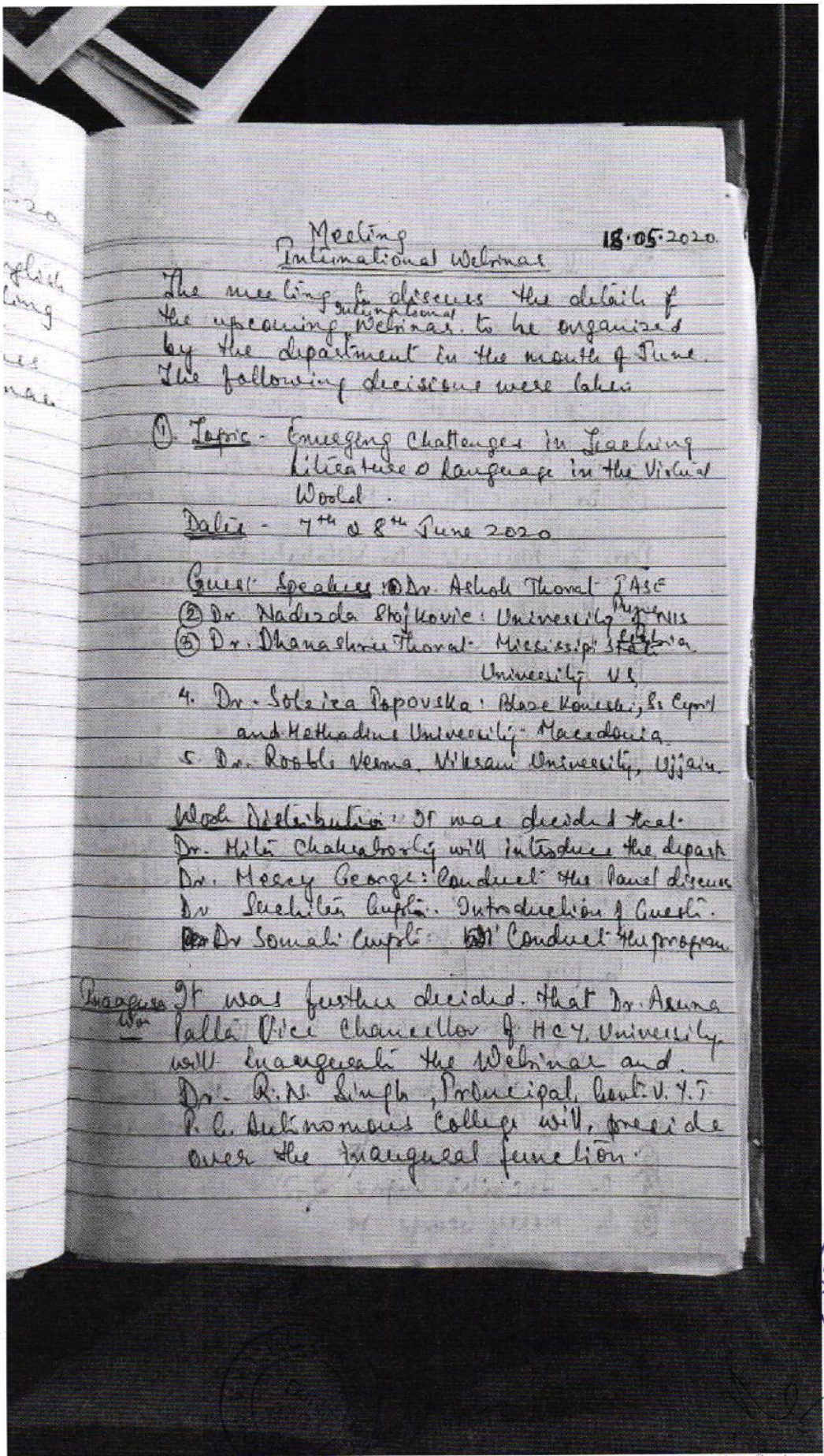

Meeting 18.05.2020

International Webinar

The meeting to discuss the detail of the upcoming international Webinar to be organised by the department in the month of June. The following decisions were taken

1. **Topic** - Emerging Challenges in Teaching Literature & Language in the Virtual World.

Dates - 7th & 8th June 2020

Guest Speakers: 1. Dr. Ashok Thorat - JASE
2. Dr. Nadezda Stojkovic : University of Nis, Serbia
3. Dr. Dhanashree Thorat - Mississippi State University, US
4. Dr. Soleira Popovska : Blaze Koneski, St Cyril and Methodius University - Macedonia
5. Dr. Roobli Verma, Vikram University, Ujjain.

Work Distribution: It was decided that
Dr. Milli Chakraborty will introduce the depart.
Dr. Mercy George : Conduct the Panel discuss.
Dr. Suchitra Gupta : Introduction of Guests.
Dr. Sonali Gupta : Will Conduct the program.

Inauguration: It was further decided that Dr. Aruna Palta Vice Chancellor of HCY University will inaugurate the Webinar and Dr. R.N. Singh, Principal, Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College will preside over the Inaugural function.

P.G. Autonomous College V.Y.T. Durg (C.G.) Govt.
Dr. M. Chakraborty
Professor ...
Govt. V.Y.T. P.G. ...
College, Durg
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

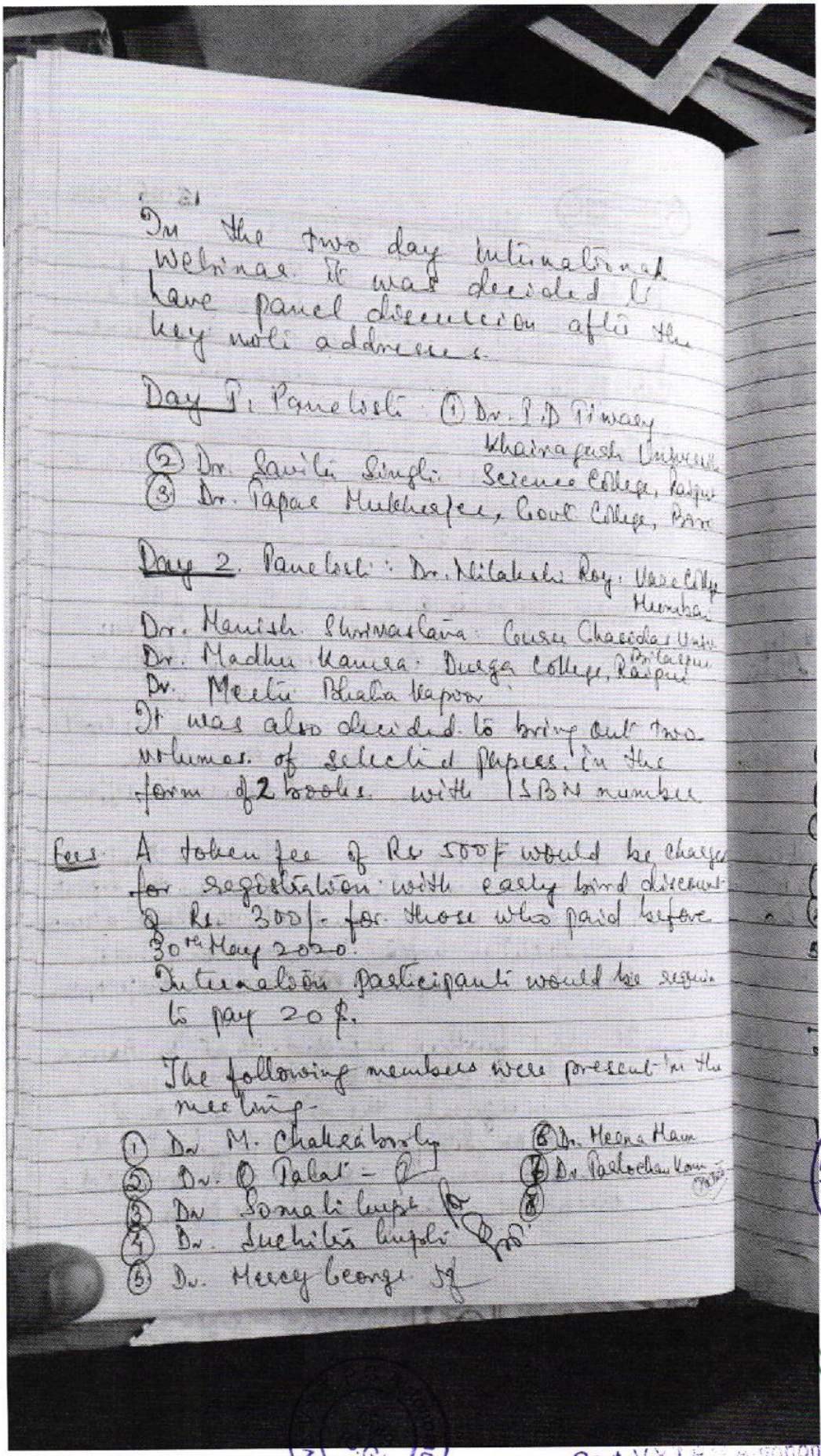

In the two day International Webinar. It was decided to have panel discussion after the key note addresses.

Day 1: Panelists: (1) Dr. P.D. Tiwary, Khairagarh University

(2) Dr. Savita Singh: Science College, Raipur

(3) Dr. Tapas Mukherjee, Govt College, Bam

Day 2. Panelists: Dr. Nilakshi Roy: Vaze College Mumbai

Dr. Manish Shrivastava: Guru Ghasidas Univ. Bilaspur

Dr. Madhu Kamra: Durga College, Raipur

Dr. Meetu Bhatia Kapoor

It was also decided to bring out two volumes of selected papers in the form of 2 books with ISBN number

Fees: A token fee of Rs 500/- would be charged for registration with early bird discount of Rs. 300/- for those who paid before 30th May 2020.

International participants would be required to pay 20 $.

The following members were present in the meeting-

1. Dr. M. Chakraborty
2. Dr. Q. Talat
3. Dr. Somali Gupta
4. Dr. Suchitra Gupta
5. Dr. Mercy George
6. Dr. Meena Mann
7. Dr. Pratibha Kaur
8.

Dr. M. Chakraborty
Professor & Head
Govt. V.Y.T. PG Autonomous College, Durg

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College, Durg (C.G.)

Department of English

Session 2020-2021

International Webinar

Emerging Challenges in Teaching Literature and Language in the Virtual World

A REPORT

07.06.2020 - 08.06.2020

A Two day International Webinar on **Emerging Challenges in Teaching Literature and Language in the Virtual World** was organized by the Department of English on 7th and 8th June 2020. The purpose of organizing the webinar was to address the number of challenges that emerged due to the sudden shift to online teaching due to COVID 19. The webinar addressed the issue of lack of technological knowledge ,technical skills and infrastructure required to handle the situation effectively. The webinar also focused on the probable strategies and solutions to the challenges.
Details about the Programme :-

The inaugural session was addressed by Dr. Aruna Palta, Vice Chancellor, Hemchand Yadav University, Durg, C.G and Dr. R.N. Singh, Principal/ Patron of Govt. V. Y. T. PG. Autonomous College, Durg, C.G.

The Key note speakers of Day 1 were:

Dr Ashok Thorat, Director, IASE Pune with whose institute the college has signed the MOU.

Topic of Discourse : **Teaching in the Virtual World : Building Learner-Autonomy and Engagement.**

Dr. Nadezda Stojkovic, Faculty of English, University of Nis, Serbia, with whose institute the college has signed the MOU.

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College (C.G.) Durg

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

Topic of Discourse : **Guiding Principles for Online Teaching of English for a Specific Profession**

These lectures were followed by a panel discussion. The panelists were :

Dr I.D.Tiwary, Khairagarh University,

Dr Savita Singh, Science College, Raipur

Dr Tapas Mukherjee, Govt College Bori

The Keynote speakers on Day 2 were :

Dr Solzica Popovska , Faculty of Philology in "Blaze Koneski" from Macedonia

Topic of Discourse : **Importance of the Emotional Intelligence in the Virtual Classroom**

Dr. Rooble Verma, Head of the Department of Foreign Languages, Vikram University, Ujjain, M.P.

Topic of Discourse : **Teaching English for Science and Technology (EST) in Virtual World: Issues and Challenges**

Dhanashree Thorat, Assistant Professor of English, Mississippi State University.

Topic of Discourse : **Liberatory Pedagogy in the Online Classroom: Teaching during the COVID-19 Pandemic**

The panelists on the second day were :

Dr Nilakshi Roy: Vaze College, Mulund , Mumbai

Dr Madhu Kamra: Durga College, Raipur

Dr Meetu Bhatia Kapoor: Delhi.

The Online International Webinar was conducted on Zoom platform. The webinar was attended by more than 200 participants from India and abroad.

Outcome:-

The following outcomes were recorded after the webinar

1. New online teaching methods were discussed.

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

2. Blended learning was seen as the best probable solution for the issues of the students who need the physical movement and better understanding of the subject that is involved in face to face classrooms.
3. New research must be done to address the diversity in the student population while online teaching.
4. There is no way that we can revert to face to face class completely even afterwards so the teachers also must learn and adapt the new methods of online teaching.

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

Govt.V.Y.T.P.G.Autonomous College, Durg

Dept of English

Two day International Webinar

7&8 June 2020

Emerging Challenges in Teaching Literature and Language in the Virtual world.

Dr. Nadezda Stojkovic. Associate Professor in English for Specific Purposes, University of Nis, Serbia

Topic: Guiding Principles for Online Teaching of English for a Specific Profession

Dr. Ashok Thorat, Director, Institute of Advanced Studies in English, Pune

Topic: Teaching in the Virtual World: Building Learner- autonomy and Engagement.

Dr.Dhanashree Thorat, Asst. Professor of English Mississippi State University, US

Topic: Liberatory Pedagogy in the Online Classroom: Teaching during the COVID-19 Pandemic

Dr.Solzica Popovska, Faculty of Philology Blaze Koneski, Skopje, Ss Cyril and Methodius University, North Macedonia

Topic : Importance of Emotional Intelligence in Virtual Classrooms

Dr. Rooble Verma: Associate Professor, Head of the Department of Foreign Languages, Vikram University, Ujjain

Topic: Teaching English for Science and Technology (EST) in Virtual World: Issues and Challenges

Panelists:

Dr. Savita Singh, Professor Govt Nagarjuna PG College of Science, Raipur
Dr. Manish Shrivastava, Professor, Dept of English and Foreign Languages, Dean , School of Studies in Management Studies and Commerce, Guru Ghasidas University, Bilaspur.
Dr. Madhu Kamra, Head Dept of English, Durga Arts and Commerce College, Raipur
Dr. Tapas Mukherjee, Head, Dept of English, Govt College Bori
Dr. Chandra Shekhar Sharma, Head Department of English, CSIT Durg.

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE
DURG (CHHATTISGARH) INDIA

Reaccredited Grade A+ by NAAC Bangaluru

Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg

Department of English
Organizes

2 DAY International Webinar on

Emerging Challenges in Teaching Literature & Language in the Virtual World

Dates : 7th & 8th June, 2020

Teaching itself is a challenging job. The spread of COVID 19 has forced the teachers to experiment with new teaching methods. Online teaching or creating videos on preferred subjects was seen as an optional or alternative method of teaching but now all classrooms have shifted to the virtual space. The teacher now faces the additional challenge of learning the technology first.Teachers of both English Literature and language are facing this challenge. It would be a great idea for all of us to get together and discuss the challenges and find possible solutions that will be best for our students.

About the College

Founded in 1958, Govt V.Y.T.P.G. Autonomous College, Durg is the largest and most renowned college of Chhattisgarh. It is the only college of this region to be accredited with A+ by NAAC and has been recognizedby UGC as the College with Potential for Excellence (CPE), receiving the grant under 3rd Phase of the Scheme. The college is a melting pot where diverse cultures of urban and rural India merge and it enjoys the unique status of catering to the needs of both the urban and the rural students. It also has the distinction of being one of the 20 prominent institutions across the country to have been selected for providing suggestions on National Higher Education Qualification Framework (NHEQF) of India.

The Department of English

Established in the year 1958, the Department of English has been identified as "Star Department" under UGC-CPE Scheme. It has eight permanent professors and offers courses at U.G., P.G. and Ph.D. levels. It is a recognized research centre by the University. In terms of infrastructure and resources the Department has a Language Lab, setup under CPE scheme of UGC. It is well equipped with ICT facilities, high quality software and books, CDs and DVDs along with other basic amenities.

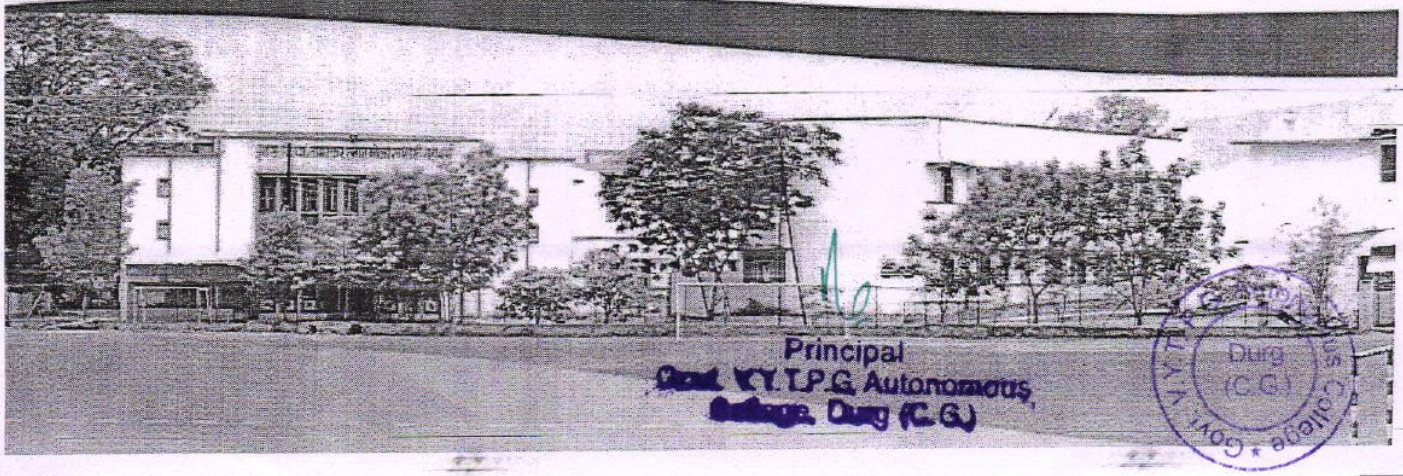

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

2 DAY International Webinar

Dates : 7th & 8th June, 2020

Inaugural Session

Dr. Aruna Palta
Vice Chancellor,
Hemchand Yadav University, Durg

Dr. R.N. Singh
Principal & Patron

Speakers

Day 1 - Timing : 11:00 AM to 2:00 PM

Dr. Nadezda Stojkovic
Associate Professor in English for Specific Purposes,
University of Nis, Serbia
Topic : Guiding Principles for Online Teaching of English for a Specific Profession

Dr. Ashok Thorat
Director
Institute of Advanced Studies in English, Pune
Topic: Teaching in the Virtual World: Building Learner- autonomy and Engagement.

Day 2 - Timing : 10:00 AM to 1:00 PM

Dr. Dhanashree Thorat
Asst. Professor of English
Mississippi State University, US
Topic: Liberatory Pedagogy in the Online Classroom: Teaching during the COVID-19 Pandemic

Dr. Solzica Popovska
Faculty of Philology
Blaze Koneski,
Ss Cyril and Methodius University,
Skopje, North Macedonia
Topic : Importance of Emotional Intelligence in Virtual Classrooms

Dr. Rooble Verma
Associate Professor,
Head of the Department of Foreign Languages,
Vikram University , Ujjain
Topic: Teaching English for Science and Technology (EST) in Virtual World: Issues and Challenges

Paper Publication :

- Kindly send your abstracts of not more than 300 words to vytengwebinar@gmail.com
- Mail us a copy of your fee deposit receipt along with your abstract.
- The link to join the webinar will be mailed to you.
- Certificate will be issued to you immediately after you submit the feedback online.
- The e-souvenir of the abstracts will be sent to all participants.
- Full length papers will be collected by the 25th June for publication.
- Papers will be published in Research Expression.
- Selected papers will be published in Journal for Teaching English for Specific and Academic Purposes , Nis, Serbia.
- Both the journals are peer reviewed and have ISSN number.

REGISTRATION FEE	: Rs. 500
Early Bird Discount (Registration before 30th May 2020)	: Rs. 300
International Participants	: 20 $
Research Scholars / Students	: Free

BANK DETAILS

Account Name	:	Principal, Govt. V.Y.T. PG Autonomous College, Durg (C.G.)
Bank	:	Dena Bank
Branch	:	Mohan Nagar, Durg
A/C No.	:	107810004404
IFSC	:	BKDN0821078

Last date for submission of Abstracts : 3rd June 2020

For any queries please call
Organizing Secretary
Dr. Somali Gupta
E-mail : somaligupta@gmail.com, Mobile : 9893081194

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

उच्च शिक्षा में ऑनलाइन कक्षाओं का समायोजन स्वीकारना होगा : डॉ. पाल्टा

दुर्ग, 7 जून (देशबन्धु)। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कोविड-19 के कारण परंपरागत कक्षा आयोजित न हो पाने के कारण ऑनलाइन क्लासेस, वर्चुअल क्लासरूप का प्रयोग हो रहा है। हम सभी को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन को स्वीकारना होगा। ये उद्गार हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल वेबीनार का उद्घाटन करते हुए प्रतिभागियों को संबोधित कर रही थी। डॉ. पल्टा ने कहा कि वर्चुअल क्लासेस परंपरागत कक्षाओं का पूरक हो सकती है परन्तु पूर्ण रूपसे उनका स्थान नहीं ले सकती। डॉ. पल्टा के अनुसार वर्चुअल क्लासेस के अनेक फायदे भी हैं जिन्हें स्वीकारते हुए हमें परिवर्तन के रचनात्मक रूप से स्वीकारना होगा।

इससे पूर्व वेबीनार की आयोजक डॉ. सोमाली गुप्ता ने आरंभ में वेबीनार के विषय "इमर्जिंग चैलेंज इन टीचिंग लिटरेचर एंड लैंग्वेज इन द वर्चुअल वर्ल्ड" की प्रासंगिता पर प्रकाश डाला। डॉ. सोमाली ने कहा कि ऑनलाइन शिक्षण पद्धति हमारे भारत में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों दोनों के लिये नई है। अतः दोनों तरफसे प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मीता चक्रवर्ती ने स्वागत भाषण दिया। प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह की अस्वस्थता के कारण वे भौतिक रूप से वेबीनार में शामिल नहीं हो सके। उनका शुभकामना संदेश अंग्रेजी की प्राध्यापक डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने पढ़ा।

साइंस कालेज में अंग्रेजी का इंटरनेशनल वेबीनार आरंभ

लगभग 10 देशों के 300 प्रतिभागियों ने इस इंटरनेशनल वेबीनार में हिस्सा लिया। प्रथम दिवस में रूस, अमेरिका, जार्जिया, सर्बिया, यूके, कनाडा, यूएई, लेबनान, जर्मनी, फ्रांस आदि देशों के प्रतिभागियों के साथ-साथ भारत के 20 प्रदेशों के प्राध्यापक एवं शोधकर्ता शामिल थे।

वेबीनार के प्रथम स्रोत वक्ता के रूप में सर्बिया की यूनिवर्सिटी ऑफ निस की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नाडेजा स्टोजकोविक ने "ऑनलाइन टीचिंग इन स्पेसिफिक परपज" विषय पर रोचक व्याख्यान दिया। डॉ. नाडेजा ने कहा कि अनेकता में एकता वाला भारत ऑनलाईन शिक्षण के माध्यम से भी विश्व में शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि कैम्ब्रिज वि.वि. में सत्र 2021 में पूरी पढ़ाई ऑनलाईन होगी। वेबीनार के दौरान पैनल डिस्कशन में प्रोफेसर मनीष श्रीवास्तव, डॉ. दीपशिखा श्रीवास्तव डॉ. सविता सिंह, डॉ. मीनू भाटिया कपूर शामिल थी। पैनल परिचर्चा का संचालन साइंस कॉलेज दुर्ग की डॉ. मर्सी जार्ज ने किया।

दूसरे तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज इन इंग्लिश, पुणे के डायरेक्टर डॉ. अशोक थोरात ने "टीचिंग इन वर्चुअल वर्ल्ड - ब्रिजिंग लर्नर ऑटोनामी एंड इन्गेजमेंट" विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। डॉ. थोरात ने कहा कि भारत जैसे विकासशील देश में परंपरागत कक्षा से वर्चुअल ऑनलाईन शिक्षण पद्धति में परिवर्तन एक कड़ी चुनौती है। शिक्षक एवं विद्यार्थी दोनों इस पद्धति के विशेषज्ञ नहीं है। दोनों बस सीखने का प्रयास कर रहे है। प्रारंभ में हर अच्छे कार्य में कठिनाईयां आती हैं। हमें इसका सामना करना पड़ेगा। दोनों ही व्याख्यानों में लगभग 10 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे। विशेषज्ञों ने बड़े धैर्य से प्रतिभागियों की जिज्ञासा को शांत किया। वेबीनार के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कमर तलत ने किया। » » शेष पृष्ठ 9 पर »

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College (Durg)

Dr. M. Chakraborty
Professor & Head
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)